

Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



News

Book Marathon 2020 continues (ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The Annual Book Marathon continues, with devotees using various means to distribute this glorious literature. From stationing themselves at traffic lights to moving door to door, devotees are leaving no stone unturned to fulfil the desire of Srila Prabhupada. Motivated by the desire of Srila Prabhupada and the present acharyas of ISKCON, devotees take to the streets to bring forth this magical treatise, which is the real anti-dote for all material suffering. These books have been described as 'time bombs', waiting to destroy the darkness of nescience. These books have touched and transformed millions of lives, enhancing the quality of life and consciousness.

This time of the year is special for devotees. This is the time to act and serve, for the pleasure of the Lord and Guru. Devotees spend this festive season, collecting eternal credits for their offering of endeavour and desire to distribute more and more books every year. The aroma of healthy competition and the fuel of devotional attitude propels those who engage in this all-auspicious activity.



समाचार

पुस्तक मैराथन 2020 जारी है (इस्कॉन, दिल्ली-एनसीआर के सभी मंदिर)

वार्षिक पुस्तक मैराथन जारी है, भक्तजन इस गौरवपूर्ण साहित्य को वितरित करने हेतु विभिन्न साधनों का उपयोग कर रहे हैं। ट्रैफिक सिग्नल पर स्वयं को अडिग रखते हुए सभी तक पहुँचकर भक्तगण श्रील प्रभुपाद की इच्छा पूर्ति में कोई कसर शेष नहीं छोड़ रहे हैं। श्रील प्रभुपाद एवं इस्कॉन के वर्तमानाचार्यों की इच्छा से प्रेरित होकर, भक्तगण इन जादुई ग्रंथों को सामने लाने हेतु सड़कों पर उतरते हैं जो सभी भौतिक पीड़ाओं हेतु वास्तविक प्रतिरोधी टीके के सामान हैं। इन पुस्तकों को 'टाइम-बम' के रूप में वर्णित किया गया है, जो नीरसता के अंधेरे को नष्ट करने की प्रतीक्षा कर रही हैं। इन पुस्तकों ने जीवन की गुणवत्ता और चेतना को बढ़ाते हुए लाखों जीवन को छुआ एवं परिवर्तित किया है।

वर्ष का यह समय भक्तों के लिए विशेष होता है। यह गुरु एवं गौरांग की प्रसन्नता हेतु कार्य एवं सेवा करने का समय है। भक्तगण अपने सभी प्रयासों को अर्पित कर, अनन्त सुकृतियाँ एकत्र करते हुए एवं प्रतिवर्ष अधिकाधिक पुस्तकें वितरित करके इस उत्सव काल को मनाते हैं। स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की सुगंध एवं भक्तिपरक व्यवहार की ऊर्जा, उन सभी लोगों को प्रेरित करती है जो इन शुभ गतिविधियों में संलग्न हैं।



Temple Supervision (1st Dec) (ISKCON, Rohini)

H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja gave the Srimad Bhagavatam class in the morning and after that he supervised the temple construction work in the presence of the temple project chairman, H.G. Vedavyasa Prabhu, and other devotees connected with the completion of the temple directly or indirectly. The temple is scheduled to open very soon and will greatly contribute to the preaching in this area.



H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaja's Visit (6th Dec) (ISKCON, Dwarka)

All the devotees were in ecstasy when Maharaja visited ISKCON Dwarka. He visited the temple to encourage the devotees to make a beautiful temple for Sri Sri Rukmini Dwarkadhish. He also encouraged devotees to take part in the Gita Marathon. He spent the whole day blessing devotees one to one and even on the online platform. The devotees were very enlivened by his association.

Bidding Farewell to one of Srila Prabhupada's frontline soldier (6 Dec) (ISKCON, Punjabi Bagh)

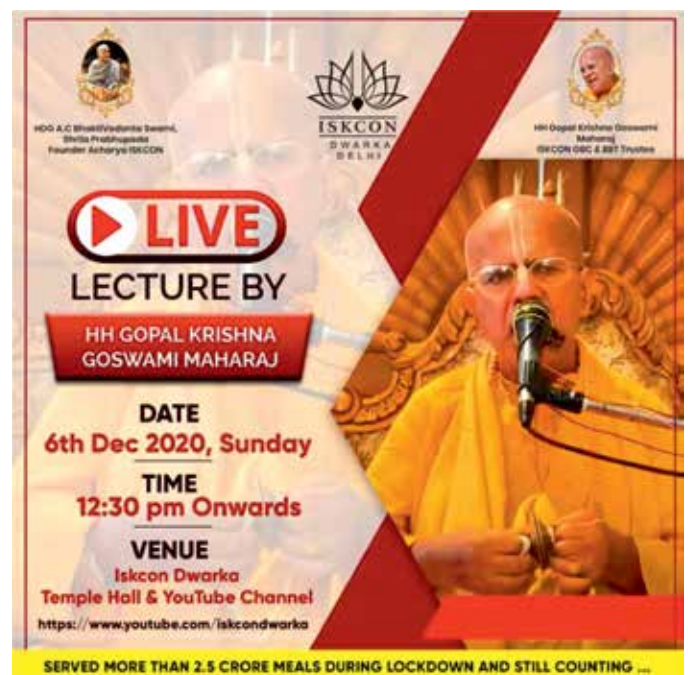
The programs to celebrate the glorious life of H.H. Bhakti Madhurya Govind Goswami Maharaja (who left for the spiritual abode on 14th November 2020) continued. Maharaja's memorial program was divided in two parts - a virtual program with devotees from all over the world, and a congregation at Maharaja's home, ISKCON Punjabi Bagh temple, with all the local devotees. The virtual memorial was graced by the presence of one of Prabhupada's dear disciple, Maharaja's brother and the designer of the San Francisco Ratha-yatra carts, Nara Narayan Prabhu. Nara Narayan Prabhu spoke fondly about his younger brother while sharing memories from their childhood. The memorial at the temple had senior devotees, Maharaja's personal servants, caretakers and temple devotees talk

मंदिर पर्यवेक्षण (1 दिसंबर) (इस्कॉन, रोहिणी)

परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज ने प्रातः श्रीमद्भागवतम् पर प्रवचन दिया तत्पश्चात् उन्होंने मंदिर परियोजना अध्यक्ष, श्रीमान वेदव्यास प्रभु तथा मंदिर निर्माण कार्य की देखरेख में प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े अन्य भक्तों को पर्यवेक्षित कर दिशानिर्देश प्रदान किये। मंदिर अतिशीघ्र ही खुलेगा एवं इस क्षेत्र में प्रचार में बहुत योगदान देगा।

परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज की यात्रा (6 दिसंबर) (इस्कॉन, द्वारका)

महाराज के इस्कॉन द्वारका दर्शन से सभी भक्त उत्साहित थे। उन्होंने भक्तों को श्री श्री रुक्मिणी द्वारिकाधीश जी के लिए एक सुंदर मंदिर बनाने को प्रोत्साहित करने हेतु मंदिर की यात्रा की। उन्होंने भक्तों को गीता मैराथन में भाग लेने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने पूरा दिन एक-एक भक्तों को यहाँ तक कि ऑनलाइन मंच पर भी आशीर्वाद प्रदान करते हुए बिताया। महाराज के संग से भक्तों में अपार उत्साह था।



श्रील प्रभुपाद के अग्रिम पंक्ति के सैनिकों में से एक को श्रद्धांजलि (6 दिसंबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

परम पूज्य भक्ति माधुर्य गोविंद गोस्वामी महाराज (जिनका 14 नवंबर 2020 को परम धाम गमन हुआ) की गौरवशाली जीवन गाथा का गुणानुवादन करने हेतु कार्यक्रम जारी रहा। महाराज के स्मारक कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया था – दुनिया भर के भक्तों के साथ एक ऑनलाइन कार्यक्रम एवं सभी स्थानीय भक्त मंडल के साथ महाराज के घर, इस्कॉन पंजाबी बाग मंदिर में एक कार्यक्रम। ऑनलाइन आभासी स्मारक कार्यक्रम प्रभुपाद के प्रिय शिष्य एवं सैन फ्रांसिस्को रथ-यात्रा के रथ के डिजाइनर तथा महाराज के भाई श्रीमान नर नारायण प्रभु की उपस्थिति से अभिभूत रहा। नर नारायण प्रभु ने बड़े ही अनुराग से बचपन की यादें साझा

about Maharaja's love for all, his compassionate heart, his endearing deities and the impact Maharaja has left in everyone's heart. His room was beautifully decorated as a museum with the photographs of his childhood, youth as well as pictures with Srila Prabhupada.



Discover Your Permanent Happiness (12th Dec onwards) (ISKCON, Dwarka)

"Karuna in Corona" The seven days seminar on "Discover Your Permanent Happiness" is being conducted at ISKCON Dwarka. The seminar is being delivered by H.G. Prashant Mukund Prabhu. Each seminar is designed specifically to answer all queries regarding the supreme personality of Godhead and our own existence. The first two sessions answer where our true happiness lies and the existence of God. Third and fourth sessions answer questions about our real identity and impart knowledge about the soul. The last session is titled "yoga for the modern age". In addition to this, counselling is also being given for various modern day problems like drug abuse, gambling, suicide and others. The whole session is being held on online platform ZOOM.

A day full of Soulful Kirtan & Dancing (20 Dec) (ISKCON, Punjabi Bagh)

Like every other year, H.G. Madhava Prabhu and H.G. Radhika Mataji visited the temple. This year their visit was extra special as Madhava Prabhu was singing in loving memory of H.H. Bhakti Madhurya Govind Goswami Maharaja who left for the spiritual abode a few weeks back. Madhava Prabhu's visit this year restarted from where he left off - after his kirtan in the temple hall last year, he was received personally with blessings and a garland from H.H. Bhakti Madhurya Govind Goswami Maharaja.

करते हुए अपने छोटे भाई के विषय में बात की। मंदिर के स्मारक कार्यक्रम में वरिष्ठ भक्तों, महाराज के निजी सेवकों, देखभाल करने वाले एवं मंदिर के सभी भक्तों ने महाराज का उन सभी के प्रति प्रेम, उनका दयालु हृदय, उनके प्रिय विग्रहों एवं सभी के हृदय में छोड़े गए महाराज के विशेष प्रभाव के विषय में बात की। उनके कमरे को उनके बचपन, युवावस्था के साथ-साथ श्रील प्रभुपाद के चित्रों के साथ एक संग्रहालय के रूप में खूबसूरती से सजाया गया था।

अपनी स्थायी खुशी की खोज (12 दिसंबर से) (इस्कॉन, द्वारका)

'कोरोना में करुणा' इस्कॉन द्वारका में 'अपनी स्थायी खुशी की खोज' पर सात दिनों का सेमिनार आयोजित किया गया। संगोष्ठी का संचालन श्रीमान प्रशांत मुकुंद प्रभु द्वारा किया गया। प्रत्येक संगोष्ठी को विशेष रूप से परम भगवान एवं स्वयं हमारे अस्तित्व के विषय में सभी प्रश्नों का उत्तर देने हेतु गढ़ा गया था। पहले दो सत्र भगवान के अस्तित्व एवं हमारी सच्ची प्रसन्नता किस में निहित है के विषय में थे। तीसरे और चौथे सत्र हमारी वास्तविक पहचान के विषय में जिज्ञासाओं के उत्तर प्रदान करने पर आधारित रहे एवं आत्मा के विषय में भी ज्ञान प्रदान किया। अंतिम सत्र का शीर्षक था 'आधुनिक युग के लिए योग'। इसके अतिरिक्त, आधुनिक समय की सबसे बड़ी समस्याओं जैसे नशाखोरी, जुआ, आत्महत्या एवं अन्य समस्याओं हेतु परामर्श भी दिया गया। पूरा सत्र ऑनलाइन मंच ZOOM पर आयोजित किया गया।

DISCOVER YOUR PERMANENT HAPPINESS

Resolved personal problem through counseling sessions...

Weekend seminar for all office going people
6 Days Seminar With 6 Major Topics

1. 
Search for Happiness

2. 
Does God Really Exist?

3. 
If God is One, then why so many religions?

4. 
Who am I?

5. 
Why bad things happen to good people?

6. 
Yoga for the modern age



Speaker: -HG Prashant Mukund Prabhu
B.Sc (Industrial Chemistry), MBA (Symbiosis)
Diploma in Pharma Sales
(London College of Management)
It's free of cost registration

IT'S A CERTIFIED ONLINE COURSE

Date - 12 - 13 December

Date - 19 - 20 December

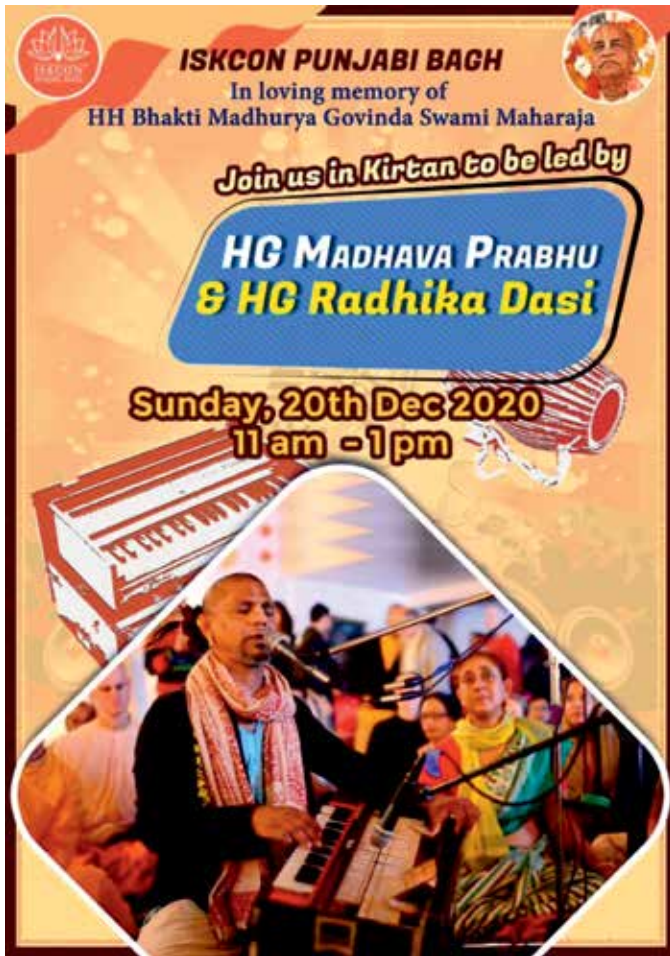
Timings - 10am to 12pm

Register yourself free at the given link- <https://bit.ly/2VWvWk> | Venue: Zoom App

SERVED MORE THAN 2.5 CRORE MEALS DURING LOCKDOWN AND STILL COUNTING ...

आत्मीय नृत्य एवं कीर्तन से सराबोर दिवस (20 दिसंबर) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

प्रति वर्ष की भाँति, श्रीमान माधव प्रभु एवं श्रीमती राधिका माताजी ने मंदिर में दर्शन किये। इस वर्ष उनकी यात्रा विशेष थी क्योंकि इस वर्ष माधव प्रभु परम पूज्य भक्ति माधुर्य गोविंद गोस्वामी महाराज की



Master your Money (20th Dec) (ISKCON, Dwarka)

A very special seminar titled "Master Your Money" was organized. This seminar was delivered by H.G. Amal Krishna Prabhu (Ph.D., M.Tech, B.Tech, IIT Delhi). The Participants learnt the real purpose of earning. Practical lessons from scriptures were given to the participants to utilize their earnings in a proper manner. The whole purpose of this program was to dovetail the desires of the conditioned soul in Krishna consciousness.

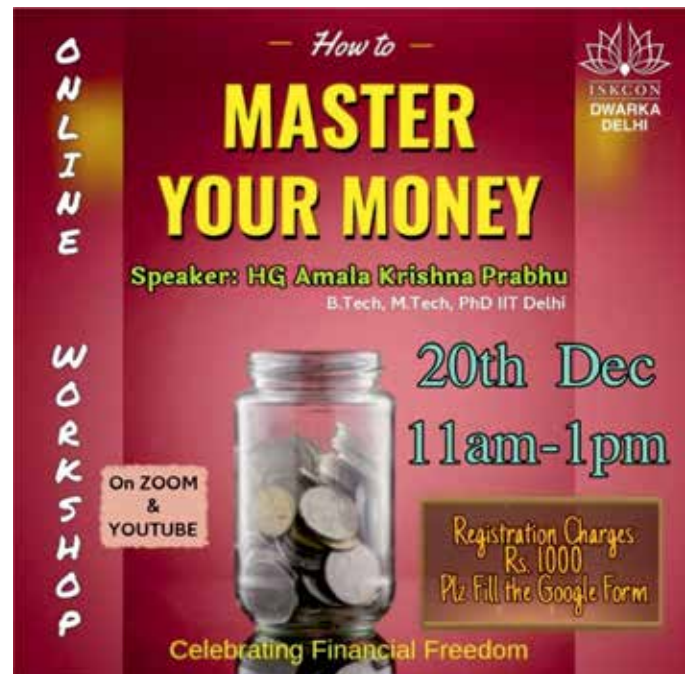
International E-Summit - Jigyasa (19-20 Dec) (ISS, ISKCON, East of Kailash)

The Institute for Science and Spirituality (ISS), the scientific study wing of ISKCON, New Delhi in collaboration with Bhaktivedanta Institute for Higher Studies (BIHS), Florida has conducted an international e-summit (जिज्ञासा) : Vedantic Theology for the advancement of Scientific Temper' on 19-20th December 2020. The event saw a participation of more than 450 students, teachers, philosophers, scientists and religionists from 20 different countries. The summit started with chanting of auspicious Vedic mantras by H.G. Rishi Kumar Prabhu who was the moderator for the program. H.G. Prem Kishore Prabhu divulged the purpose of ISS to the audience and offered a video dedication to the glorious intellectual tradition in Gaudiya Vaisnavism that continues till date. Thereafter, Prof. Laxmidhar Behera (H.G. Lila Purushottam Prabhu) delivered the objectives of the summit. Bob Cohen, Executive Director, Bhaktivedanta Institute of Higher

प्रेममयी स्मृति में गा रहे थे, जिन्होंने कुछ ही सप्ताह पूर्व आध्यात्मिक जगत हेतु प्रस्थान किया था। माधव प्रभु की यात्रा इस वर्ष पुनः वहीं से आरंभ हुई जहाँ उन्होंने विगत वर्ष विराम लिया था – पिछले वर्ष मंदिर हॉल में उनके कीर्तन के बाद, उन्हें भक्ति माधुर्य गोविंद गोस्वामी महाराज से व्यक्तिगत रूप से आशीर्वाद और एक माला मिली थी।

अपने धन के मालिक बनें (20 दिसंबर) (इस्कॉन, द्वारका)

'अपने धन के मालिक बनें' नामक शीर्षक से एक बहुत ही विशेष सेमिनार आयोजित किया गया था। यह सेमिनार श्रीमान अमल कृष्ण प्रभु (पीएचडी, एम.टेक, बी.टेक, आईआईटी) द्वारा दिया गया। प्रतिभागियों ने कमाई का असली उद्देश्य सीखा। प्रतिभागियों को उनकी आय का उचित विधि से उपयोग करने हेतु शास्त्रों से व्यावहारिक सीख दी गई। इस कार्यक्रम का सम्पूर्ण उद्देश्य बद्ध आत्मा की इच्छाओं को कृष्ण भावनामृत में डालना था।



अंतर्राष्ट्रीय ई-शिखर सम्मेलन-जिज्ञासा (19-20 दिसंबर) (आईएसएस, इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

इस्कॉन की वैज्ञानिक शाखा:- विज्ञान एवं आध्यात्मिकता संस्थान (आईएसएस) के तत्त्वाधान में भक्तिवेदांत उच्च शिक्षा संस्थान (बीआईएचएस) फ्लॉरिडा, अमेरिका के सहयोग से एक अंतर्राष्ट्रीय ई-शिखर सम्मेलन ('जिज्ञासा: उन्नत वैज्ञानिक प्रवृत्ति हेतु वैदंतिक मीमांसा') 19 एवं 20 दिसम्बर को आयोजित किया गया। इस आयोजन में 20 विभिन्न देशों के 450 से अधिक छात्रों, शिक्षकों, दार्शनिकों, वैज्ञानिकों एवं धर्मवलम्बियों की भागीदारी देखी गई। शिखर सम्मेलन का शुभारंभ श्रीमान ऋषि कुमार प्रभु द्वारा शुभ वैदिक मंत्रों के जाप के साथ हुआ जो इस कार्यक्रम के समन्वयक थे। श्रीमान प्रेम किशोर प्रभु जी ने आईएसएस के उद्देश्यों को दर्शकों तक पहुँचाया एवं वर्तमान समय तक गौड़ीय वैष्णवों की अनवरत उन्नत बौद्धिक परंपरा हेतु एक वीडियो भी समर्पित किया। तदोपरांत, प्रो. लक्ष्मीधर बेहेरा (श्रीमान लीला पुरुषोत्तम प्रभु) ने शिखरसम्मेलन के उद्देश्यों से परिचित कराया।



Studies (BIHS) complimented ISS for conducting such a huge summit fulfilling the instructions of Srila Prabhupada. The guests of honor complimented the organizers and the participants for being a part of such an intellectual summit and expressed hope that the new generation would start working towards synergizing the Vedic knowledge with modern science.

The guests of honour of the summit, Prof. Abhay Karndikar, Director IIT Kanpur, Prof. Ajit Kumar Chaturvedi, Director IIT Roorkee, Prof. Prem Kumar Kalra, Director, Dayalbagh Educational Institute (Deemed University), Agra and Prof. Govind Prasad Sharma, Chairman, National Book Trust, India praised this unique endeavour by ISS to strengthen scientific temper by Vedantic theology.

The chief guest, Honourable Education minister of India, Dr. Ramesh Pokhriyal 'Nishank' highly praised the mission undertaken by ISS and ISKCON for connecting Vedic knowledge with science. He expressed that such efforts would reinstate India as Viswa-Guru and thus encouraged ISKCON not to stop such a glorious effort at any moment and wished all success. The inaugural session ended with vote of thanks by Dr. Niyati Joshi (H.G. Narottam Damodar Prabhu).

TECHNICAL SESSIONS

"Bhagavat sankhya and modern scientific

भक्तिवेदांत उच्च शिक्षा संस्थान (बीआईएचएस) के कार्यकारी निदेशक बॉब कोहेन ने श्रील प्रभुपाद के निर्देशों को पूरा करने वाले इतने बड़े शिखर सम्मेलन के संचालन हेतु आईएसएस की सराहना की। विशिष्ट अतिथि ने आयोजकों एवं प्रतिभागियों को इस प्रकार के बौद्धिक शिखर सम्मेलन का भाग बनने हेतु बधाई दी और आशा व्यक्त की, कि नई पीढ़ी आधुनिक विज्ञान के साथ वैदिक ज्ञान के समन्वय की दिशा में कार्य करना आरंभ करेगी।

शिखर सम्मेलन के सम्माननीय अतिथि प्रो. अभय करंदीकर, निदेशक आईआईटी कानपुर, प्रो. अजीत कुमार चतुर्वेदी, निदेशक आईआईटी रुड़की, प्रो. प्रेम कुमार कालरा, दयालबाग शैक्षिक संस्थान (देव विश्वविद्यालय), आगरा और प्रो. गोविंद प्रसाद शर्मा, चेयरमैन, नेशनल बुक ट्रस्ट, भारत, ने वैदिक धर्मशास्त्रों द्वारा वैज्ञानिक प्रवृत्ति को सशक्त करने हेतु आईएसएस के इस अनूठे प्रयास की प्रशंसा की।

मुख्य अतिथि, भारत के माननीय शिक्षा मंत्री, डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक 'ने आईएसएस एवं इस्कॉन द्वारा वैदिक ज्ञान को विज्ञान से जोड़ने हेतु चलाये जा रहे मिशन की अत्यधिक प्रशंसा की। उन्होंने इस्कॉन के पूर्ण सफलता की कामना कर सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के प्रयास भारत को पुनः विश्व-गुरु के रूप में स्थापित करेंगे अतः इस्कॉन द्वारा किये जा रहे ऐसे गौरवशाली प्रयास किसी भी क्षण रुकना नहीं चाहिए। उद्घाटन सत्र डॉ. नियति जोशी (श्रीमान नरोत्तम दामोदर प्रभु)

world view” by Prof. Laxmidhar Behera (H.G. Lila Purusottam Prabhu)

The talk gave an overview of current scientific understanding of the basic building blocks as they evolved from the periodic table to electron, proton and neutron to quantum field. The Vedic perspective of five gross elements and three subtle elements was also presented in terms of possible scientific naturalization. He presented Bhagavat Sankhya model that can revolutionize consciousness studies and Artificial Intelligence (AI).

“Science based arguments for god’s existence and modern atheism” by Dr. Gopal Gupta (H.G. Gopal Hari Prabhu)

To explain the origin and development of our universe, naturalism and theism both have their own explanatory virtues. The talk argued that of the two, theism is a simpler, more probable, and logical explanation.

“Puranic time and the archaeological record” by Dr. Michael Cremo (H.G. Drutakarma Prabhu)

The talk was a review of the scientific evidences that point towards the extreme human antiquity as affirmed by the Vedic puranas. He stressed that one needs to revisit archeological records based on cyclic yuga cycles as conferred by puranic history.

“The atma paradigm: why consciousness should be the major issue for science?” by Mr. Akhanda dadhi Das

The talk presented the Atma Paradigm - a science-consistent philosophical framework drawn from aspects of Vedanta, Sankhya and the Yoga texts which addresses standard objections to dualistic theories of consciousness and issues of naive realism and idealism. The proposition was that the expression of consciousness has agency. Vedic texts call it ‘atma’ or soul.

“Deciphering the puranic universe: bhu-mandala as the horizontal plane” by Dr. Mauricio Garrido (H.G. Murli Gopal Prabhu)

Applying concepts from mathematics, sankhya philosophy along with the geographic and astronomical data, the talk revealed interesting insights into the mysteries of the Puranic universe and multi levels of existence which is accessible as per one’s of spiritual elevation.

“Unlocking scriptural mysteries and scientific rationality” by Dr. Jyotiranjana Beuria (H.G. Jyotisvara Prabhu)

The talk discussed about how the Vedantic model is perfectly amenable to rational enquiry and how it admits and accommodates the limits of sensory reach. The talk covered a holistic consciousness-based paradigm in which Vedantic model redefines the notions of subjective and objective reality.

The science and spirituality: the path forward by Prof. Suresh Bhalla (H.G. Srutakirti Prabhu)

The talk deliberated on the commonalities between science and spirituality and proposed how the two can be synergized for the welfare and betterment of the

के धन्यवाद ज्ञापन के साथ संपन्न हुआ।

तकनीकी सत्रः—

प्रो.लक्ष्मीधर बेहेरा (श्रीमान लीला पुरुषोत्तम प्रभु) द्वारा ‘भागवत सांख्य एवं आधुनिक वैश्विक वैज्ञानिक दृष्टिकोण’

वार्ता ने वर्तमान वैज्ञानिक समझ के आधारभूत ढाँचे का अवलोकन कराया कि कैसे वे आवर्त सारणी से इलेक्ट्रॉन, प्रोटॉन एवं न्यूट्रॉन से क्वांटम क्षेत्र तक विकसित हुए। पंच महाभूत एवं तीन सूक्ष्म तत्वों के वैदिक संदर्भ को भी संभव वैज्ञानिक समीकरण के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया गया। उन्होंने भागवत-सांख्य मॉडल प्रस्तुत किया जो कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवं चेतना के अध्ययन में क्रांती ला सकता है।

‘भगवान के अस्तित्व एवं आधुनिक नास्तिकतावाद हेतु विज्ञान आधारित तर्क’ : डॉ. गोपाल गुप्ता (श्रीमान गोपाल हरि प्रभु) द्वारा

हमारे ब्रह्मांड की उत्पत्ति एवं विकास की व्याख्या करने हेतु प्रकृतिवाद तथा आस्तिकतावाद दोनों के अपने-अपने व्याख्यात्मक गुण हैं। इस वार्ता का तर्क था कि दोनों में से, आस्तिकता एक सरल, अधिक संभावित एवं तार्किक व्याख्या है।

‘पौराणिक काल एवं पुरातात्विक अभिलेख’ : डॉ. माइकल क्रेमो (श्रीमान द्रुत कर्मा प्रभु जी) द्वारा

यह वार्ता उन वैज्ञानिक साक्ष्यों की समीक्षा थी जो मानवता के परम प्राचीन होने का संकेत देते हैं और जिनकी पुष्टि वैदिक पुराणों द्वारा भी की गई है। उन्होंने बल देकर कहा कि हमें क्रमिक युग चक्र पर आधारित पुरातात्विक अभिलेखों का पुनः निरीक्षण करना होगा। जैसा कि पौराणिक इतिहास द्वारा प्रदत्त है।

‘आत्मा प्रतिमानः चेतना, विज्ञान हेतु प्रमुख मुद्दा क्यों होना चाहिए?’ श्रीमान अखण्डादि दास द्वारा —

इस वार्ता में आत्मा प्रतिमान — एक विज्ञान-संगत सैद्धांतिक रूपरेखा को वेदांत, सांख्य एवं योग ग्रंथों के परिप्रेक्ष्य में प्रस्तुत किया गया, जो चेतना के द्वैतवादी सिद्धांतों एवं अनुभवहीन यथार्थवाद तथा आदर्शवाद के मुद्दों पर मानक आपत्तियों को संबोधित करता है। प्रस्ताव यह था कि चेतना की अभिव्यक्ति का एक माध्यम है। वैदिक ग्रंथ इसे ‘आत्मा’ कहते हैं।

‘पौराणिक ब्रह्मांड के गूढ़ रहस्यः क्षैतिज तल के रूप में भू मण्डल’, डॉ. मौरिसियो गैरिडो (श्रीमान मुरली गोपाल प्रभु) द्वारा

भौगोलिक एवं खगोलीय (ज्योतिषीय) गणना के साथ-साथ गणित एवं सांख्य दर्शन से अवधारणाओं को लागू करते हुए, वार्ता ने पौराणिक ब्रह्मांड के रहस्यों एवं अस्तित्व के बहु स्तरों में रोचक अंतर्दृष्टि को उजागर किया जो किसी की भी आध्यात्मिक उन्नति के अनुसार ही अभिगम्य (सुलभ) है।

‘वैज्ञानिक तर्कसंगतता एवं शास्त्रीय रहस्योद्घाटन’ डॉ. ज्योतिरंजन बेउरिया (श्रीमान ज्योतिस्वर प्रभु) द्वारा —

वार्ता में चर्चा की गई कि वैदिक मॉडल किस प्रकार, तर्कसंगत जिज्ञासा हेतु पूर्ण रूप से उत्तरदायी है एवं यह किस प्रकार से हमारी इंद्रियों की पहुँच की सीमा को स्वीकार और समायोजित करता है। वार्ता में चेतना-आधारित प्रतिमान को

world.

The enthralling talks kept the participants glued to the web platform. The summit ended with a vote of thanks by Mr. Praveen Kumar (H.G. Prem Kishore Prabhu) to all the participants and the speakers.

Advent of Srimad Bhagavad Gita or Mokshada Ekadashi (25th December)
(ISKCON, All Delhi-NCR Temples)

The Bhagavad Gita is also known as Gitopanisad. Spoken by Krishna Himself, it is a treatise which has transcended time and place, to inspire millions across the globe. Through Arjuna, Bhagavad Gita instructs us about the significance of human life and surrender to the Lord. It is the last word in devotion. It is also one of the most widely read religious texts in the world.

The advent of Bhagavad Gita took place at Kurukshetra, roughly around five thousand years ago, on the day of Mokshada Ekadashi. This day is most auspicious as it marks the imparting of transcendental knowledge to mankind. This day was celebrated with the congregational recitation of all the 700 verses of Srimad Bhagavad Gita. The reverberation of the chants made everything around auspicious. Due to Covid 19 restrictive protocols, devotees organised meets on meeting portals to read and chant the Gita. People participated whole heartedly. These books were also distributed in large numbers to mark this glorious occasion. Devotees meditated and resolved to apply the teachings in their lives. The message of Bhagavad Gita is spread among all by distribution of this marvellous book.

समग्र रूप से अंतर्निहित किया गया, जिसमें कि वैदातिक मॉडल, व्यक्तिपरक वास्तविकता एवं वस्तुपरक(उद्देश्य-पूर्ण) वास्तविकता की धारणाओं को पुनः परिभाषित करता है।


आध्यात्मिकता एवं विज्ञान: अग्रिम मार्ग प्रो. सुरेश भल्ला (श्रीमान श्रुतकीर्ति प्रभु) द्वारा

अध्यात्म एवं विज्ञान के मध्य समानताओं पर विचार-विमर्श हुआ एवं प्रस्तावित किया गया कि दोनों को संसार की उन्नति एवं कल्याणार्थ कैसे समन्वित किया जा सकता है। रोचक वार्ता ने प्रतिभागियों को वेब मंच पर जोड़े रखा। शिखर सम्मेलन का समापन श्रीमान प्रवीण कुमार जी (श्रीमान प्रेम किशोर प्रभुजी) द्वारा सभी प्रतिभागियों एवं वक्ताओं को धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

श्रीमद् भगवद् गीता की प्रादुर्भाव तिथि अथवा मोक्षदा एकादशी (25 दिसंबर)
(इस्कॉन, दिल्ली-एनसीआर के सभी मंदिर)

श्रीमद् भगवद् गीता को गीतोपनिषद् के नाम से भी जाना जाता है। स्वयं भगवान् कृष्ण के द्वारा कहा गया, यह एक ऐसा ग्रंथ है जिसने देश काल परिस्थिति से परे जाकर संसार भर में लाखों लोगों को प्रेरित किया है। अर्जुन के माध्यम से, भगवद् गीता हमें मानव जीवन के महत्व के विषय में निर्देश देती है एवं भगवान् के समक्ष आत्मसमर्पण करना सिखाती है। यह भक्ति की चरम शिक्षा है। यह संसार का सबसे अधिक पढ़ा जाने वाला धार्मिक ग्रंथ भी है।

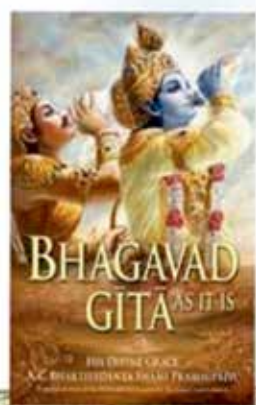
श्रीमद् भगवद् गीता का प्रादुर्भाव कुरुक्षेत्र में, लगभग पाँच हजार वर्ष पूर्व, मोक्षदा एकादशी के दिन हुआ था। यह दिन परम माँगलिक है क्योंकि यह मानव जाति को दिव्य ज्ञान प्रदान करता है। यह दिन भक्तमंडली के संग श्रीमद्भगवद् गीता के सम्पूर्ण 700 श्लोकों के सस्वर पाठन के साथ मनाया गया। मंत्रों की गूँज ने चारों ओर समस्त वातावरण शुभ बना दिया। कोविड 19 प्रतिबंधात्मक प्रोटोकॉल के कारण, भक्तों ने गीता पढ़ने एवं जप करने हेतु ऑनलाइन पोर्टलों पर बैठकें आयोजित कीं। भक्तों ने पूरे मनोयोग से इसमें भाग लिया। इस गौरवशाली अवसर का लाभ लेते हुए बड़ी संख्या में इन पुस्तकों को वितरित किया गया। भक्तों ने अपने जीवन में इन शिक्षाओं को लागू करने हेतु संकल्प एवं साधना की। इस अद्भुत पुस्तक के वितरण के माध्यम से श्रीमद्भगवद् गीता का संदेश सभी के मध्य फैल रहा है।




ISKCON Delhi-NCR
Prabhakar Prasad Sharma

ISKCON Delhi-NCR
Prabhakar Prasad Sharma

Unlock the problems of life with the divine wisdom of Bhagavad Gita..






Get your questions answered from Bhagavad Gita.

6-7pm everyday

LIVE, on ZOOM

Dec 16 - 25, 2020



ISKCON
DELHI

Ask us your questions in English or Hindi on Zoom
Listen to the answer directly from our experts

SRILA BHAKTISIDDHANTA

H.D.G. Sri Srimad Bhaktisiddhanta Saraswati Goswami appeared in this mortal world in the year in February on as the third son of Srila Bhaktivinode Thakur. Srila Bhaktisiddhanta Saraswati was known as Bimala Prasad Dutt in His early life and from His very boyhood, inspired by His devotee father, lived a strict pious and religious life. One instance in His early life will prove how much He was rigid in His principle of religious way of life. The instance may be cited here as a matter of course.

Srila Bhaktivinode Thakur as an ideal Grihastha used to worship Sri Sri Radha Govinda Vighraha at his house. One day he purchased some good quality mangoes for the deity when Srila Bhaktisiddhanta Saraswati was a mere child. The child Bimala Prasad pretending the childish nature ate up the mangoes without the knowledge of His father. The father, when he came to know that the mangoes purchased for offering to the deities at his house were swallowed up by his child Bimala Prasad, he mildly rebuked Him and warned Him also not to commit the mistake in future. The child Bimala Prasad took up this matter very seriously and as the proverb goes that child is the father of future men, so He proved Himself then as the future Acharya of the human community. From that day forward, till His departure from this mortal world, He remembered that mistake which He had committed in His early life and as a matter of self-imposed punishment He never touched mangoes of any kind for His eating purpose. In His later life He was so many times requested by His thousands and thousands disciples to accept mangoes but He always reminded of His childish so-called mistake and always quoted the instruction from the Ishopanishad that everything belongs to the Almighty God. No body should therefore accept anything in this world unless the same has first been offered to Him.

Another instance of His early life that may be stated here is that when Bimala Prasad was on the lap of his beloved mother. His father was posted as Magistrate of Puri. The Car festival of Sri Sri Jagannathji took place at that time. The house was situated just near the main road through which the Car used to pass. So when the Car was moving it stopped all of a sudden in front of the house where Sri Bimala Prasad was on the lap of His mother. The Car of Jagannath stopped and did not move with utmost endeavour of the pulling devotees. The mother of Bimala Prasad took this opportunity and was helped to get up on the Car for Darshan of the Deity with her saintly son. The baby Bimala Prasad was then thrown on the holy feet of Sri Sri Jagannathji and at once the baby was blessed by the God as some flowers fell down on the baby from the hands of the Deity. After this incidence the Car began to move and every intelligent person present there could understand that the child Bimala Prasad was not an ordinary one. There are many such small but very significant instances from His very childhood which indicated Bimala Prasad to be a future great personality and it so happened that in His later age He became the most powerful Acharya in the line of Gaudiya Vaishnava Sampradaya in the disciplic succession from the Madhvacharya who was in the line of Brahma Sampradaya coming down Brahma, the Creator of this Universe.

As a bonafide Acharya of the Brahma-Madhya-Gaudiya Sampradaya, the mission of Sri Srimad Bhaktisiddhanta Saraswati Goswami was to re-establish the pure form of theism



as propounded by Lord Chaitanya in the line of His predecessors. Lord Chaitanya preached only the teachings of Bhagavad-gita in the most practical way to suit the present environment created by the dark age of quarrel and fight. In the later-age, calculated to be two hundred years before the advent of Srila Bhaktisiddhanta Saraswati Goswami Maharaj, many pseudo-spiritualistic parties in the name of Lord Chaitanya grew up like mushrooms to exploit the noble sentiment of spiritualism of the innocent people of Earth. Such pseudo-spiritualistic parties deviated poles asunder from the preaching of Lord Chaitanya because they were unfit to undergo the disciplic regulations and had mitigated a via-media principle of rotten materialistic idea with pure spiritualism. They misunderstood the highest form of worship contemplated by the gopis of Vrindavan in the transcendental loving pastimes of Lord Shri Krishna and misidentified the spiritual process with a materialistic idea of erotic principle. As such the highest principle of rasa-lila stated in the Bhagavatam to be understood and relished at the stage of the Paramhansas was made a plaything by such pseudo parties are known as the Oal, Baoul, Nera, Karta Bhaja, Sain, Darbesi Sakhi-vekhi, Sahajia, Caste Goswamins, Caste Brahmins and so on. These pseudo parties passed as the disciples of Lord Chaitanya with their cheap nefarious activities and of all the above parties, the Sahajias and the Caste Goswamins became the most obstinate obstructors to the onward progress of the universal movement of Lord Chaitanya.

The Philosophy of Lord Chaitanya was that God is One without a second. He is known as Shri Krishna but His

SARASWATI THAKURA



incarnations such as Rama, Narsingha are all identical with Him. The living entities or Jivas are qualitatively one with Godhead but quantitatively they are innumerable but eternal servitors of the Supreme Personality of Godhead. The present materialistic activities of the Jivas are to be understood as the acts of Maya or illusion and therefore they are all waste of energy of the human being. The energy of the human being as also of other living being should therefore be directed under the bonafide regulations of the Acharya, so the line of Lord Chaitanya and He himself vehemently protested against the principles of those pseudo transcendentalists now passed in the name of Lord Chaitanya.

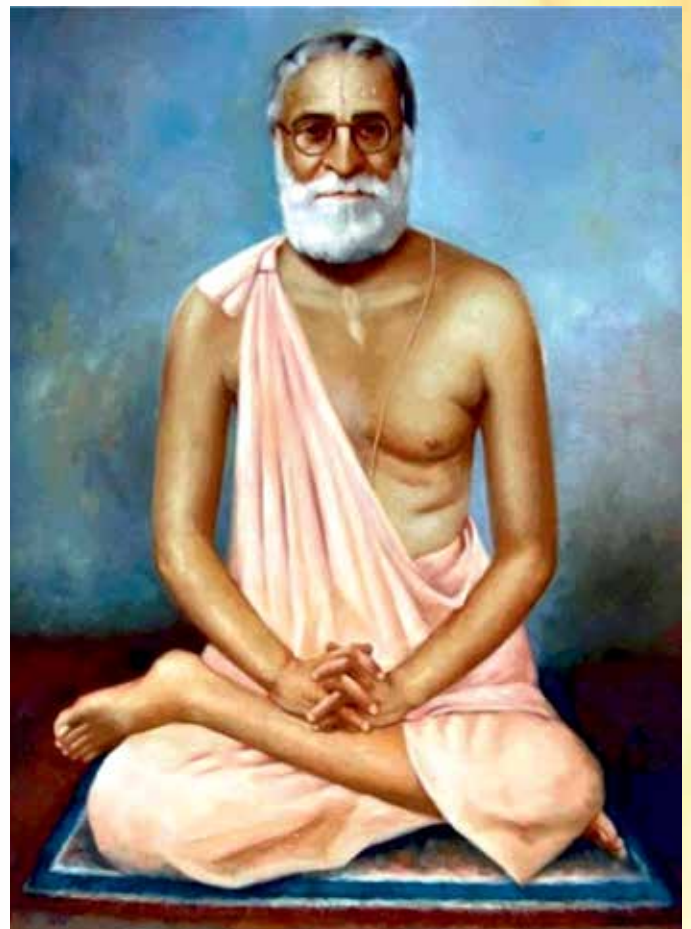
The first and foremost task of Srila Saraswati Thakur was to excavate the holy birth-place of Lord Chaitanya at Sridham Mayapur in the district of Nadia in West Bengal. To substantiate this preliminary act of His great future movement Srila Saraswati Thakur had to face tremendous difficulties offered by the caste goswamins at Nabadwip—because they apprehended a lawyer in that initial movement. The caste goswamis were exploiting and still are exploiting the religious sentiments of the common people in the name of Lord Chaitanya and presented themselves as so called relative and descendants of Lord Chaitanya and Lord Nityananda. Factually Lord Chaitanya or for the matter of that Lord Nityananda accepted nobody as their relative or kinsmen who were not devotee of the Lord. On the contrary, Lord Chaitanya accepted Thakura Haridasa, who happened to come out of a Mohammedan family, as the Namacharya or the most powerful authority for preaching the samkirtan movement which Lord Chaitanya inaugurated so arduously.

Lord Chaitanya, as it is stated in the Bhagavad-gita or in other authentic scriptures, wanted to re-establish the Vaishnava Dharma on the real basis of spiritualism. He never

deprecated the natural caste system but neither He approved of the birth-right caste system, which has degenerated into slut of anachronism. The caste goswamis assisted by the other pseudo-transcendentalists made a clique to check up the universal movement of Lord Chaitanya and made a business of dispatching those foolish followers to the kingdom of heaven after having drawing a lumpsum amount for this priestcraft hooliganism.

Sri Srimad Bhaktisiddhanta Saraswati Goswami Maharaj wanted to check up this pseudo-spiritualistic activities of the so-called followers of Lord Chaitanya and present the actual thing for acceptance by the general public religionists and modern philosophers for a critical study of the sublime gift of Lord Chaitanya. It is the honest belief of Srila Saraswati Thakur that people in general, modern philosophers and thinkers as also the religionists will be struck with wonder when they seriously make a study of the gift of Lord Chaitanya.

What was thought by modern leaders like Gandhi and Rabindranath was conceived long before by Lord Chaitanya, not as a public leader of political aspiration but as the Father of all living entities. The movement of Lord Chaitanya is generally known as the Sankirtan movement which is a transcendental process of self-realisation by removing the dust of materialism on the mirror of human intelligence. The present problem confronting the human civilization is due to lack of a proper introspection of the goal of human knowledge.



[From Back to Godhead Vol.1 Part 9, March 1952, by His Divine Grace A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada]



Upcoming events:

Disappearance Day of Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura (3rd January) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Bhaktisiddhanta Sarasvati Thakura, commonly known as the 'lion Guru' laid the foundation of the Krishna consciousness movement by establishing Gaudiya Matha, aimed at reviving the Vaishnava culture. He was an erudite scholar with spiritual training from great acharyas such as Srila Bhaktivinode Thakura and Srila Gaur Kishore Das Babaji Maharaja. His fearless and bold preaching of the principles of Vaishnavism inspired Srila Prabhupada to take his message to the western world.

His disappearance day will be celebrated with kirtan, pushpanjali and glorification. Devotees pray for his mercy, to become fixed in their spiritual practices.



Disappearance Day of Srila Jiva Goswami (16th January) (ISKCON, East of Kailash)

Srila Jiva Goswami is one of the six Goswamis of Vrindavana. His commentaries on scriptures as well as other works, serve as the guiding light for Vaishnavas. He worked tirelessly to propagate the principles of Bhakti, urging one and all to take to devotional service to perfect their human life.

The disappearance day of Srila Jiva Goswami will be celebrated by remembering his teachings and instructions. A pushpanjali ceremony will be organised amidst kirtan and chanting. Devotees will revisit the life of this great acharya and sing his glories.



आगामी कार्यक्रम

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर का तिरोभाव दिवस (3 जनवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर, जिन्हें सामान्य रूप से 'सिंह गुरु' के रूप में पहचाना जाता है, ने वैष्णव संस्कृति को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से गौड़ीय मठ की स्थापना करके कृष्ण भावनामृत आंदोलन की नींव रखी थी। वे महान आचार्यों जैसे कि श्रील भक्तिविनोद ठाकुर एवं श्रील गौर किशोर दास बाबाजी महाराज से आध्यात्मिक प्रशिक्षण प्राप्त एक परम विद्वान थे। उनके निडर और निर्भीक रूप से वैष्णववाद के सिद्धांतों के प्रचार ने श्रील प्रभुपाद को पश्चिमी दुनिया में अपना संदेश ले जाने हेतु प्रेरित किया। उनका तिरोभाव दिवस कीर्तन, पुष्पांजलि एवं उनके महिमा मंडन के साथ मनाया जाएगा। अपने आध्यात्मिक प्रयासों में सफलता प्राप्त करने को भक्तजन उनकी दया हेतु याचना करते हैं।

श्रील जीव गोस्वामी जी का तिरोभाव दिवस (16 जनवरी) (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रील जीव गोस्वामी वृंदावन के षड-गोस्वामियों में से एक हैं। शास्त्रों के साथ-साथ अन्य कृतियों पर उनकी टीकाएँ वैष्णवों हेतु मार्गदर्शक प्रकाश के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने भक्ति के सिद्धांतों को प्रचारित करने के लिए अथक परिश्रम किया और सभी से अपने मानव जीवन को परिपूर्ण करने हेतु भक्ति करने का आग्रह किया। श्रील जीव गोस्वामी का तिरोभाव दिवस उनकी शिक्षाओं एवं निर्देशों को स्मरित कर मनाया जाएगा। कीर्तन एवं जप के मध्य एक पुष्पांजलि समारोह आयोजित किया जाएगा। भक्तगण इन महान आचार्यों के जीवन पर पुनः गौर करेंगे और उनकी महिमाओं का गुणानुवादन करेंगे।



PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

ISKCON, EAST OF KAILASH

Chirag Delhi-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi
Chirag Delhi, New Delhi-110017

Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Okhla- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

Kotla Mubarakpur- Shri Omkareshwar Shiv Mandir
(Panghat wala), Gurudwara Road
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Khanpur- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

Hari Nagar, Ashram- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer
Institute (Basement)
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014
Contact at: 9811281521, 011-26348371
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

East Vinod Nagar-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091
Contact at: 9810114041, 9958680942
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

Srinivas Puri-Sanatan Dharam Durga Mandir
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri,
New Delhi-110065
Contact at: 9711120128, 9654537632
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

Sangam Vihar- E-6/102, Near Mahavir Vatika
Sangam Vihar, New Delhi-110080
Contact at: 9212495394, 9810438870
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

Boat Club-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,
New Delhi -110001
Every Wednesday 1PM -2 PM
Contact : 9560291770, 9717647134

Panchsheel Enclave-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New
Delhi-110017

Mayur Vihar-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.
C ph.2 Mayur Vihar
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

Sarojini Nagar-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023
Every Monday 6 PM to 8 PM
Contact : 9899694898, 9311694898

Lodi Road-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact : 9868236689, 8910894795

R.K.Puram-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

Gole Market-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,
New Delhi – 110001
Every Saturday 5 PM to 7 PM
Contact: 9560291770, 9717635883

Sant Kanwar Ram Mandir-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

East of Kailash-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

East of Kailash-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC
Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

ISKCON, GURUGRAM

RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna
Prasadam

Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam



Do you want to find a
Vaishnava Partner
for a
Krishna conscious
marriage???

Look no further....

Please sign up on

www.kcmatches.com

Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: www.iskcondelhi.com | Live Darshan: live.iskcondelhi.com

Facebook: www.facebook.com/iskcondelhi, Contact: 011-41625804, 26235133

ISKCON, Punjabi Bagh - 41/77, Srila Prabhupada marg,
West Punjabi Bagh, Delhi-26
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

ISKCON, Dwarka - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075
Web: iskcondwarka.org, Facebook: www.facebook.com/iskcon.dwarka/
Contact: 9891240059, 8800223226

ISKCON, Gurugram - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,
Badshahpur, Gurugram
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

ISKCON, Faridabad - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,
Phone : 0129-4145231
Email : gopisvardas@gmail.com

ISKCON, Bahadurgarh - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799
Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON, Rohini - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,
Sector-25, Rohini New Delhi 110085
Phone: +91-9871276969
Email: iskcon.rohini@gmail.com

ISKCON Gurugram (Badshahpur) - Sudarshan Dham, Gurgaon-
Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park),
Gurugram, Haryana 122001
Phone: +91-9250128799, Email: info@iskconbahadurgarh.com

ISKCON Ghaziabad - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002
Phone: 081309 92863, Email: iskcon.ghaziabad@pamho.net

ISKCON Chhattarpur - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074
Phone: 099537 40668

ISKCON Gurugram - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342
Email: iskcongurugram.sec45@gmail.com

Sri Sri Radha-Vallabh Temple - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006
Phone: 098112 72600

Sri Sri Radha Govind Dev Temple - Opposite NTPC Office, A-5,
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar
Pradesh-201301
Phone: 095604 76959

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at delhinews108@gmail.com



Transcendental Dining Experience

GOVINDA'S
PURE VEGETARIAN RESTAURANT

Facilities for Corporate Meetings / Seminars / Weddings /
Birthday / Reception etc. from Minimum 30 to 600 persons.
We undertake Outdoor Catering services as well.

Lunch
12.30 to 3.30 pm

Snacks
4.00 to 6.30 pm

Dinner
7.00 to 10.00 pm

- Wide selection of Snacks & Desserts
- Multi Cuisine Menu
- Unique Ambience
- Theme Decor Arrangement

A-la-Carte 7.00 to 10.00pm from Monday to Friday
Buffet Lunch daily, Buffet Dinner on Saturday and Sunday only

**Only Restaurant in Delhi serving unique
Multi-Cuisine traditional feast of
56 varieties of dishes under one roof...**

**ISKCON Temple Complex, Sant Nagar,
East of Kailash, New Delhi-110065**

9873131169 | 9650800328 | 011-41094042